भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा व मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर में अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती पर आयोजित महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन को संबोधित किया और महिला स्वास्थ्य को समर्पित गर्भ की पाठशाला योजना की शुरूआत की। इस अवसर पर केन्द्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी मौजूद थीं।

अहिल्या बाई ने संस्कृति एवं विरासत को पुनर्स्थापित किया: नड्डा

मुख्यमंत्री भजनलाल ने महिला महासम्मेलन में अहिल्या बाई को नारी शक्ति का प्रतीक बताया

- **केन्द्रीय मंत्री नड्डा ने कहा कि अब दोषारोपण के बजाए समाज के हर वर्ग का सशक्तिकरण किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने जवाबदेहिता और उत्तरदायित्व को राजनीति की परिभाषा बनाया है।**
- **समारोह से पहले केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा और मुख्यमंत्री भजनलाल ने एमएनआईटी परिसर में स्वामी विवेकानंद की मूर्ति का माल्यार्पण व पौध रोपण किया।**

जयपुर, 31 मई। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर को समाज सुधारक के रूप में याद किया जाता है, उन्होंने संस्कृति एवं विरासत को पुनर्स्थापित करने का कार्य किया। उन्होंने जीवन में महिला उत्थान को ही अपना लक्ष्य माना।

नड्डा शनिवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) में लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती पर आयोजित महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर के आदर्शों से प्रेरणा लेकर उनकी 300वीं जयंती पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने महिला शिक्षा एवं स्वास्थ्य कार्यक्रमों को महिला शक्ति को समर्पित किया है।

नड्डा ने कहा कि वर्ष 2014 के बाद देश की तस्वीर बदली है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व ने राजनीति की संस्कृति को बदलने का काम किया है। अब दोषारोपण के बजाय समाज के हर वर्ग का सशक्तिकरण किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने जबावदेहिता और उत्तरदायित्व को राजनीति की परिभाषा बनाया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि 18वीं सदी में देवी अहिल्याबाई जी अपने साहस एवं बुद्धिमत्ता से नारी शक्ति की प्रतीक बनीं। उन्होंने महिला शिक्षा, धर्म, और सामाजिक सुधारों को बढावा दिया। काशी विश्वनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण, सोमनाथ मंदिर और देशभर में अनेक तीर्थस्थलों का जीर्णोद्धार उनके धार्मिक और सांस्कृतिक योगदान का प्रतीक है।

शैक्षिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों में रहने वाली वंचित वर्गों की लड़कियों को नि:शुल्क आवासीय शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से, 5 कस्तूरबा गांधी बालिका शिक्षा विद्यालय का लोकार्पण-शिलान्यास और 2 जनजाति बालिका आश्रम छात्रावासों का लोकार्पण किया गया है तथा महिला स्वास्थ्य को समर्पित "गर्भ की पाठशाला योजना" एवं स्वस्थ नारी चेतना अभियान की शुरूआत की गई।

इस अवसर पर केन्द्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, डॉ. प्रेमचंद बैरवा, चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर, स्कूल शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, सांसद व प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड एवं मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित, बडी संख्या में आमजन मौजूद थे।

पूर्व में केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एमएनआईटी परिसर में स्वामी विवेकानंद की मूर्ति पर माल्यार्पण तथा पौधारोपण किया।

करोना से पिछले 24 घंटे में चार की मौत

नयी दिल्ली, 31 मई। देशभर में कोराना से संक्रमित मामलों में तेजी देखी जा रही है, शनिवार सुबह तक कोराना संक्रमण के कुल सक्रिय मामलों की संख्या 3395 तक पहुंच गयी। पिछले 24 घंटों में इसके संक्रमण से चार मरीजों की मौत हुई है।

केन्द्रिय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर जारी आंकड़ों के अनुसार, कुल 3395 सक्रिय मामले हैं। अभी तक 1435 मरीजों को अस्पताल से छुट्टी मिल चुकी है और एक जनवरी से अब तक 26 लोगों की मौत हुई है। पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के 685 सक्रिय मामले सामने आये हैं और 265 मरीजों को अस्पताल से छुट्टी मिली है लेकिन इस अवधि के दौरान चार लोगों की जान चली गयी। राष्ट्रीय राजधानी के अलावा, कर्नाटक, केरल और उत्तर प्रदेश में एक-एक मरीज की कोरोना से मौत हुई है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने आज दोहराया कि देश में कोविड संक्रमण की स्थिति पर निरंतर नजर रखी जा रही है और लोगों को घबराने की आवश्यकता नहीं है। कुल सक्रिय मामलों के सबसे अधिक 1336 केरल में और उसके बाद 467 महाराष्ट्र में हैं। दिल्ली में 375 मामले दर्ज किए गए हैं। इसके अलावा गुजरात में 265, कर्नाटक में 234, पश्चिम बंगाल में 205, तमिलनाडु में 185, उत्तर प्रदेश में 117, राजस्थान में 61, पुडुचेरी में 41, हरियाणा में 26, आंध्र प्रदेश में 17, मध्य प्रदेश में 16, गोवा से आठ, ओडिशा में सात, झारखंड, जम्मू-कश्मीर और छत्तीसगढ से छह-छह, पंजाब में पांच, उत्तराखंड, मिजोरम और असम में दो-दो और चंड़ीगढ़ में कोरोना का एक सक्रिय मामला है।

रामगढ़ विषधारी टाइगर रिज़र्व में गिद्धों का कुनबा बढ़ा

वन विभाग ने गिद्धों की नैस्टिंग की पुष्टि की

- **वन कर्मियों ने बताया कि टाइगर रिज़र्व के झारबंधा क्षेत्र में गिद्धों के बच्चे भी दिख रहे हैं।**
- **पर्यावरण संरक्षण में गिद्धों की अहम् भूमिका को देखते हुए वन विभाग ने क्षेत्र में गिद्धों के संरक्षण का काम शुरु किया, जिसके अच्छे नतीजे मिल रहे हैं।**

बून्दी, 31 मई (निसं)। रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व में बाघों के साथ साथ गिद्धों का कुनबा भी बढ़ने लगा है। टाइगर रिज़र्व के कोर क्षेत्र के झारबंधा क्षेत्र में भारतीय गिद्धों की नैस्टिंग सामने आई है तथा इनके बच्चे उड़ान भरना सीख रहे हैं। गत शुक्रवार को टाइगर रिज़र्व क्षेत्र में गिद्ध के एक बच्चे को उड़ान भरने की कोशिश करते देखा गया। गश्त कर रहे वनकर्मियों ने उसे घायल समझा और उसे बूंदी के पशु चिकित्सालय में लेकर आए, जहां चिकित्सकों ने उसकी प्राथमिक चिकित्सा की और स्वस्थ बताया। वन विभाग ने गिद्ध को अपनी सुरक्षा में ले लिया है और जल्दी ही वन क्षेत्र में छोड़ा जाएगा। इसी प्रकार, टाइगर रिज़र्व क्षेत्र के कोर 2 में भी एक नन्हा गिद्ध दो दिन पहले वन विभाग ने पकड़ा था और उसे कोटा चिड़ियाघर में लेकर गए, जहां से उसे वापस उसी स्थान पर रिलीज़ कर दिया।

बूंदी के रामगढ़ विषधारी टाइगर रिज़र्व में बाघों के साथ गिद्धों का कुनबा भी बढ़ ने लगा है। यहां झारबंधा क्षेत्र में भारतीय गिद्ध का एक बच्चा उड़ने की कोशिश कर रहा था जिसे वनकर्मी घायल समझकर बूंदी के पशु चिकित्सालय में लेकर आए, जहां चिकित्सकों ने उसकी प्राथमिक चिकित्सा की।

रैस्क्यू टीम के प्रभारी बुद्धराज सिंह हाड़ा व कुलदीप सिंह हाड़ा ने बताया कि टाइगर रिज़र्व में झारबंधा सहित, अन्य जगहों पर गिद्धों की नैस्टिंग देखी जा रही है तथा इनकी संख्या भी लगातार बढ़ रही है। पर्यावरण संरक्षण एवं जैव विविधता के महत्वपूर्ण घटक गिद्धों की संख्या का बढ़ना बूंदी में इको टूरिज्म के लिए शुभ संकेत है। गौरतलब है कि टाइगर रिज़र्व प्रबंधन ने जिले में गिद्धों के संरक्षण की योजना पर काम शुरू किया था, और इसके परिणाम भी दिखने लगे हैं। भीमलत क्षेत्र के जंगलों में भी गिद्धों की तादाद लगातार बढ़ रही है और उम्मीद है कि आने वाले दिनों में जिले में गिद्धों का कुनबा बढ़ेगा।

सेना ने शुरु किया अत्याधुनिक "डिफ्रैंस टैक्नॉलजी" का परीक्षण अभियान

- **पोकरण फील्ड फायरिंग रेज में मानव रहित विमानों, ड्रोन, बम व राडार सिस्टम का परीक्षण किया जा रहा है।**
- **मध्यप्रदेश के बबीना फील्ड फायरिंग रेंज, उत्तराखंड के जोशीमठ और देश के कई अन्य भागों में यह परीक्षण अभियान चल रहा है।**
- **थल सेनाध्यक्ष उपेन्द्र द्विवेदी ने बबीना फील्ड फायरिंग रेंज के परीक्षण कार्यक्रम की समीक्षा की।**

नयी दिल्ली, 31 मई। रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि भारतीय सेना अगली पीढ़ी की कई रक्षा प्रौद्योगिकियों का परीक्षण कई क्षेत्रों में करीब-करीब युद्ध जैसी परिस्थितियों में कर रही है।

राजस्थान के पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज, मध्य प्रदेश के बबीना फील्ड फायरिंग रेंज और उत्तरा खंड में जोशीमठ सहित देश में विभिन्न परीक्षण स्थानों पर मानवरहित हवाई प्रणालियों, ड्रोन, आड़े-तिरछे उड़ान पथ से प्रहार करने वाले बम, कम ऊँचाई वाले वायु क्षेत्र पर निगाह रखने वाले आधुनिक राडार आदि के परीक्षण किये जा रहे हैं।

रक्षा मंत्रालय ने एक विज्ञिप्त में कहा गया है कि सेना व्यापक प्रतिरक्षा क्षमताओं का विकास और परीक्षण कर रही है। इनमें बड़ी संख्या में रक्षा उपकरण निर्माण इकाइयां भी भाग ले रही हैं।

आगरा और गोपालपुर में विशेष वायु रक्षा उपकणों का प्रदर्शन किया जायेगा। इन अभियानों में करीब-करीब वास्तविक युद्ध जैसी परिस्थितियों में अत्याधुनिक रक्षा प्रणालियों के प्रदर्शन का बारीकी से आकलन किया जा रहा है। इन परीक्षणों में अलग अलग इलेक्ट्रानिक सिमूलेशन को समन्वित कर नयी विकसित प्रौद्योगिकियों की क्षमता का आकलन किया जा रहा है।

थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने मंगलवार को बबीना फील्ड फायरिंग रेंज में चल रहे परीक्षण कार्यक्रमों की समीक्षा की तथा सभी हितधारकों के साथ बातचीत की। मंत्रालय ने कहा है कि ये परीक्षण भारतीय सेना के परिवर्तन के दशक की वृहद योजना में एक महत्वपूर्ण कदम है और इनका उद्देश्य उभरती युद्धक परिस्थितियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उभरती प्रौद्योगिकियों का तेजी से समावेशन सुनिश्चित करना है।

विज्ञिप्त के अनुसार इन परीक्षणों में अगली पीढ़ी की मानवरहित हवाई प्रणालियां (यूएएस), यूएवी लॉन्च्ड प्रिसिजन गाइडेड म्यूनिशन (यूएलपीजीएम), रनवे इंडिपेंडेंट (आरडब्ल्यूआई), रिमोटली पायलटेड एरियल सिस्टम (आरपीएएस), यूएएस मारक समाधान, यूएवी बम, सीधे ऊंचाई प्राप्त करने वाले स्पेशलाइज्ड वर्टिकल लॉन्च (एसवीएल) ड्रोन, सटीक बहुयुद्धक सामग्री वितरण प्रणालियां, एकीकृत ड्रोन डिटेक्शन और इंटरडिक्शन सिस्टम (आईडीडीआईएस), निम्न ऊंचाई पर वायु क्षेत्र की निगरानी के लिये हल्के वजन वाले रडार, वीएसएचओआरएडीएस (अगली पीढ़ी के) आईआर सिस्टम और इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर (ईडब्ल्यू) प्लेटफॉर्म शामिल हैं।

पेड़ काटने के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

व्यक्ति का यह नैतिक कर्तव्य है कि वह पर्यावरण को स्वच्छ और हरा - भरा रखे। याचिका में अधिवक्ता तनवीर अहमद ने अदालत को बताया कि नगर पालिका, झालरापाटन ने बीते साल याचिकाकर्ता के खिलाफ झालरापाटन थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिसमें कहा गया कि याचिकाकर्ता ने सुभाष नगर में नगर पालिका की ओर से संधारित पार्क से कुछ पेड़ काटे हैं। याचिका में कहा गया कि उसके खिलाफ राजनीतिक द्वेषता से रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

वहीं, वह अनुसंधान में सहयोग को तैयार है। इसके अलावा, प्रकरण में उसे गिरफ्तार कर पूछताछ जैसा कोई अपराध नहीं है।

इसलिए उसे अग्रिम जमानत का लाभ दिया जाए। याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने याचिकाकर्ता को सशर्त अग्रिम जमानत का लाभ देते हुए उसे उसी पार्क में पन्द्रह पौधे लगाने को कहा है।

'हाँ, हमने पाकिस्तान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मंत्रालय के अधीस्थ एक रिसर्च ग्रुप ने इस महीने कहा था कि चीन ने पाकिस्तान को, भारत के साथ लड़ाई के दौरान, एयर डिफेन्स और सैटेलाइट सपोर्ट उपलब्ध कराया था।

भारतीय सैन्य प्रमुख ने कहा, "हमने सीमा के 300 किमी अंदर स्थित, हवाई हमलों से जबरदस्त सुरक्षित पाकिस्तान के एयर फील्ड्स पर, एक मीटर की सटीकता के साथ, सटीक स्ट्राइक की।"

भारत और पाकिस्तान ने इस लड़ाई के बारे में अंतर्राष्ट्रीय सोच को प्रभावित करने के लिए दुनिया के अनेक देशों की राजधानियों में अपने प्रतिनिधिमंडल भेजे हैं। चौहान ने कहा कि संघर्ष विराम अब भी बना हुआ है तथा इसका बना रहना पाकिस्तान की आगे की कार्यवाहियों पर निर्भर करेगा।

उन्होंने कहा "हमने अपनी रैडलाइन्स स्पष्ट कर दी हैं।"

बागीदौरा विधायक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इसलिए उसे जमानत पर रिहा किया जाए। इसका विरोध करते हुए विशेष लोक अभियोजक शालिनी गौतम ने कहा कि आरोपी ही रिश्वत राशि को मौके से लेकर गया था।

प्रकरण में अनुसंधान चल रहा है और यदि उसे जमानत दी गई तो वह साक्ष्य को प्रभावित कर सकता है। इसलिए उसकी जमानत अर्जी खारिज की जाए। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद, अदालत ने आरोपी की जमानत अर्जी को खारिज कर दिया है। गौरतलब है कि परिवादी ने एसीबी में शिकायत दी थी कि एमएलए ने टोडाभीम क्षेत्र में स्थित उसकी खानों को लेकर विधानसभा में सवाल लगाए थे। इन सवालों को वापस लेने की एवज में एमएलए 2.50 करोड रुपए मांग रहा है। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए एसीबी ने एमएलए और उसके चचेरे भाई सहित अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया था।

उत्तर पश्चिम राज्यों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आपातकालीन तैयारियों और सुरक्षा प्रशिक्षण के तहत इस ड्रिल का आयोजन किया गया।

उधर राजस्थान में जयपुर में मॉक ड्रिल के दौरान घरों, प्रतिष्ठानों, कार्यालयों और वाहनों की लाइटें बंद कर नागरिकों ने इस प्रयास में विशेष सहयोग दिया। हरियाणा में राज्य भर के 22 जिलों में आयोजित सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल में हवाई हमलों के दौरान आपातकालीन तैयारी और प्रतिक्रिया क्षमता को मजबूत बनाने की प्रक्रिया का प्रदर्शन किया गया।

विधायक अब्बास अंसारी को भड़काऊ भाषण मामले में दो साल की सजा

मऊ, 31 मई। उत्तर प्रदेश की मऊ सदर सीट से विधायक और पूर्व माफिया मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी को भड़काऊ भाषण के मामले में शनिवार को यहां विशेष अदालत ने दो साल की कैद और 11 हजार रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई। मऊ सदर विधानसभा सीट से 2022 के विधानसभा चुनाव के दौरान, चुनाव लड़ रहे अब्बास अंसारी ने 03 मार्च 2022 की शाम नगर क्षेत्र के पहाड़पुरा मैदान में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा था कि चुनाव के बाद जिले के प्रशासनिक अधिकारियों को रोककर सबक सिखाया जाएगा। समाजवादी पार्टी (सपा) की सरकार बनने के बाद किसी का तबादला नहीं किया जाएगा।

'सीडीएस के बयान से साफ है कि सरकार देश को गुमराह कर रही है'

- **कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने यह भी कहा कि सरकार को विशेष संसद सत्र बुलाकर देश की जनता को जवाब देना चाहिए**
- **ज्ञातव्य है कि चीफ ऑफ डिफैंस स्टाफ अनिल चौहान ने सिंगापुर में एक साक्षात्कार में भारतीय लड़ाकु विमानों के नुकसान की बात स्वीकार की थी।**

नयी दिल्ली, 31 मई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि है कि सिंगापुर में प्रमुख सेना अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई को लेकर जो कुछ कहा है, उससे साफ हो गया है कि सरकार देश को गुमराह कर रही है, इसलिए उसे पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद की पूरी स्थिति पर संसद का विशेष सत्र बुलाकर देश की जनता को जवाब देना चाहिए।

खड़गे ने शनिवार को यहां एक बयान में कहा कि पाकिस्तान के विरुद्ध सैन्य कार्रवाई से जुड़े मुद्दे का कोहरा अब छंट रहा है। सिंगापुर में सीडीएस के साक्षात्कार के बाद कई महत्वपूर्ण सवाल खड़े हुए हैं और इन सवालों को पूछना आवश्यक हो गया है, इसलिए सरकार को तुरंत संसद का विशेष सत्र बुलाकर इन सवालों का जवाब देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि सैन्य कार्रवाई को लेकर अब जो परतें खुलकर सामने आ रही हैं, उनसे साफ है कि मोदी सरकार ने देश को गुमराह किया है। सीडीएस ने सिंगापुर में एक साक्षात्कार में कहा है कि हमारे वायुसेना के पायलट दुश्मन से लड़ते हुए अपनी जान जोखिम में डाल रहे थे। हमें कुछ नुकसान जरूर हुआ, लेकिन हमारे पायलट सुरक्षित हैं। हमारे सभी जेट विमानों ने निशाना साधते हुए लंबी दूरी की उड़ान भरी।

कांग्रेस अध्यक्ष ने सेना के दृढ़ साहस और बहादुरी को सलाम करते हुये कहा कि सैन्य कार्रवाई के बाद पूरी स्थिति पर एक व्यापक रणनीतिक समीक्षा समय की मांग है। उनका कहना था कि कारगिल युद्ध के समय एक समीक्षा समिति गठित की गई थी और उसकी तर्ज पर आज भी एक स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति बनाई जानी चाहिये, जो हमारी रक्षा तैयारियों की व्यापक समीक्षा करे।

'समर्पित ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने पूर्ववर्ती सरकारों पर तीखा हमला बोलते हुए कहा, आपने देखा है कि पहले सरकारें कैसे चलती थीं, उनकी सोच क्या थी - सबके सामने है। अगर दिन और रात का फर्क हो, तो दिन को ही पसंद करना चाहिए। यही अंतर हमारी और उनकी सरकार में है। जेपी नड्डा ने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा, हमारी सरकार जनसेवा के लिए काम करती है, न कि स्वार्थ के लिए।

सेना प्रमुख ने जम्मू में सैन्य तैयारियों की समीक्षा की

जम्मू, 31 मई। सेना प्रमुख (सीओएएस) जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने शनिवार को जम्मू के परगवाल सेक्टर के दौरे के दौरान, परिचालन तैयारियों की समीक्षा की और ऑपरेशन सिंदूर में पूर्व सैनिकों की भूमिका की सराहना की।

जम्मू स्थित रक्षा प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल सुनील बर्तवाल ने यहां कहा, सीओएएस जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने जम्मू-कश्मीर के परगवाल सेक्टर में परिचालन तैयारियों की समीक्षा की और टाइगर डिवीजन का दौरा किया, जहां उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सैनिकों की सराहना की।

उन्होंने उभरती सुरक्षा गतिशीलता के जवाब में चुस्त और सतर्क रहने के महत्व पर जोर दिया। सेना प्रमुख ने भारतीय सेना के साथ सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के घनिष्ठ परिचालन एकीकरण की भी प्रशंसा की।

'मुझे गर्व है कि ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चाहता हूं। मैं अपने लोगों को भी धन्यवाद देना चाहता हूं। हमने शांति की बात की, हमने कहा, हम उन लोगों के साथ ट्रेड नहीं कर सकते, जो एक दूसरे पर गोली चला रहें हैं और आगे चल के उनमें परमाणु युद्ध भी हो सकता है।

ट्रंप ने कहा, भारत और पाकिस्तान के नेता बहुत महान हैं। वे हमारी बात समझ गए और मान गए और युद्ध रूक गया। यह बयान भारत को पाकिस्तान को समकक्ष रखे जाने के विरूद्ध नई दिल्ली के कूटनीतिक प्रयासों के खिलाफ है।

अमेरिकी प्रशासन भारत और पाक को एक ही वर्ग में रख रहा है। हम दूसरों को लड़ने से रोक रहे हैं, क्योंकि हम उनसे किसी भी अन्य देश के मुकाबले ज्यादा अच्छी तरह लड़ सकते है। हमारे पास विश्व की महानतम सेना और महानतम नेता हैं।

भारत लगातार कह रहा है कि सीजफायर पर सहमति दोनों देशों के डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिटरी ऑपरेशन्स के बीच की वार्ता के बात बनी थी।

अब, कांग्रेस सांसद शशि थरूर के नेतृत्व में एक सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल 3 जून को वाशिंगटन डीसी पहुंचेगा, जहां वह अमेरिकी सांसदों और अधिकारियों को भारत की आतंकवाद विरोधी नीति और पाकिस्तान के साथ संघर्ष की असलियत से अवगत कराएगा।

भारत की ओर से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर यह भी स्पष्ट किया जा रहा है कि हालिया संघर्ष इस्लामाबाद के आरोपों के विपरीत, भारत की ओर से नहीं, बल्कि पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में शुरू हुआ था।

'अमेरिका ने एशियाई देशों को अपना ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हालिया संघर्ष में भारत ने कुछ लड़ाकू विमान खोए हैं।

तथापि, सी.डी.एस. जनरल चौहान ने जोर देकर कहा कि कितने विमान खोए गए, यह महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि यह ज़रूरी है कि हमने रणनीतिक स्तर पर कुछ गलतियाँ की थीं और उनसे सबक लेकर तत्काल सुधार किया गया। पाकिस्तान ने दावा किया था कि उसने कई भारतीय राफेल विमानों को मार गिराया है।

शांग्री-ला कॉन्फ्रैंस अब एशिया का एक सबसे प्रतिष्ठित और प्रभावशाली सामरिक सम्मेलन बन चुका है, जिसमें पूरे क्षेत्र के शीर्ष रक्षा अधिकारी शामिल होते हैं।

महत्वपूर्ण बात है कि इस वर्ष चीन ने इस संवाद से लगभग दूरी बना ली, और केवल एक शैक्षिणक संस्थान के माध्यम से निम्न स्तर का प्रतिनिधिमंडल भेजा। आम तौर पर चीनी रक्षा मंत्री को सम्मेलन में एक पूरे सत्र के लिए वक्ता के रूप में आमंत्रित किया जाता रहा है, और पिछले पांच सालों से वो इसमें भाग ले रहे हैं।

सम्मेलन में उच्च स्तर पर प्रतिनिधित्व से दूरी बनाना इस बात का संकेत है कि चीन ने जानबूझकर अमेरिका के रक्षा सचिव के साथ संवाद से बचने की रणनीति अपनाई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, पहले सम्मेलन के कार्यक्रम में चीनी मंत्री का नाम था जिसे बाद में हटा दिया गया।

पीट हैगसथ का भाषण, जिसमें उन्होंने चीन की गतिविधियों के संदर्भ में एशिया की रक्षा व्यवस्था की बात की, एशियाई देशों के लिए एक नया रक्षा एजेंडा तैयार करता है। उन्होंने कहा कि चीन एशिया की मौजूदा सुरक्षा व्यवस्था को बदलने की पूरी कोशिश कर रहा है।

हैगसथ ने दक्षिण चीन सागर में चीन की गतिविधियों और पूरे समुद्री मार्ग पर कब्जा करने की उसकी कोशिशों की ओर ध्यान दिलाया। उन्होंने जोर दिया कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को इस प्रकार की एकतरफा भू-राजनीतिक दावेदारी को बर्दाश्त नहीं करना चाहिए।

इन चुनौतियों से निपटने के लिए अमेरिका चाहता है कि उसके सहयोगी देश "फोर्स मल्टीप्लायर" बनें और अपने सैन्य संसाधनों को बढ़ाएं। उन्होंने नाटो और यूरोप की मिसाल देते हुए कहा, "हम आग्रह नहीं कर रहे, बल्कि हम ज़ोर दे रहे हैं - कि हमारे साझेदार अपने रक्षा बजट में बढ़ोतरी करें।"

साथ ही उन्होंने यह चेतावनी भी दी कि चीन को उत्तर कोरिया का समर्थन प्राप्त है, जो स्वयं अब समुद्री शक्ति के रूप में उभर रहा है।

इस परिप्रेक्ष्य में, भारत को एशियाई रक्षा संरचना में एक प्रमुख भूमिका निभानी होगी, विशेषकर समुद्री क्षेत्र में। चाहे भारत माने या नहीं, लेकिन चीन की आक्रामकता का मुकाबला करने के लिए भारत को इस गठजोड़ का हिस्सा बनना ही होगा।

भारत के लिए यह इसलिए और भी बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि चीन पाकिस्तान को "ऑल वेदर फ्रैंड" के रूप में इस्तेमाल कर रहा है ताकि भारत की पश्चिमी सीमा पर दबाव डाला जा सके। चीन ने पाकिस्तान को भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और सैन्य सहायता प्रदान की है।

अब तटस्थ बने रहने का समय खत्म हो चुका है, और भारत को इन मुद्दों पर खुले रूप में अपनी स्थिति स्पष्ट करनी होगी।

मोदी आक्रामक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अर्थव्यवस्था जैसे अहम आर्थिक मुद्दों से ध्यान भटकाने का भी काम कर रही है। मोदी के भाषणों में राष्ट्रीय गर्व और बाहरी ख़तरों पर ज़ोर दिया जा रहा है, जिससे आर्थिक बहसें पीछे छूट जाती हैं। उनकी यह रणनीति विपक्ष को भी रक्षात्मक मुद्रा में ला देती है; सैन्य रणनीति की कोई भी आलोचना या संघर्षविराम पर सवाल उठाना राष्ट्रिवरोधी कहे जाने के खतरे को न्योता देता है, इस लेबल का मोदी पहले भी असहमति को दबाने के लिए प्रभावी ढंग से इस्तेमाल कर चुके हैं। इसके अलावा, इन रैलियों को एक संभावित चुनाव परिणाम की पृष्ठभूमि तैयार करने के कदम के रूप में भी देखा जा रहा है। यदि भाजपा का प्रदर्शन कमज़ोर रहा, तो मोदी यह तर्क दे सकते हैं कि यह पराजय एक बंटे हुए राष्ट्र या कमज़ोर विपक्ष के कारण थी, न कि नीति की असफलता के कारण। नेता के पीछे एकजुट देश की छवि हारने पर भी उनका राजनैतिक महत्व बनाए रख सकती है। असल में, मोदी की मौजूदा रैली मुहिम एक बहुस्तरीय रणनीति है-जिसका उद्देश्य है उनकी राष्ट्रीय सुरक्षा की छवि को बचाना, असहमति को दबाना, विदेश नीति और आर्थिक मुद्दों से ध्यान हटाना, और एक उच्च दांव वाले चुनावी माहौल में भाजपा के मुख्य राष्ट्रवादी संदेश को मज़बूत करना।

'बीकानेर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गरिमा को प्राप्त किया। योजनाबद्ध युद्धाभ्यास और क्रियान्वयन से यह सिद्ध किया कि बीएसएफ राष्ट्र की प्रथम रक्षा पंक्ति है। डीआईजी लूथरा ने कहा- हम हर चुनौती को दुश्मन की आंखों में झांकते हुए स्वीकार करते हैं।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600